किकृत तरल अपशिश्ट प्रबंधन : प्राथमिक स्कूल, शाहवाड़ा

विकासखण्ड चारामा में ग्राम पंचायत शाहवाड़ा ऐसी ग्राम पंचायतों में से एक है जिनके द्वारा पिछले 02 वर्शो से खुले में शौच मुक्त की स्थिति को बरकरार रखा है साथ ही स्वच्छता के दूसरे आयामों पर कार्य करना शुरू कर दिया गया, जैसे कि गंदे पानी का निपटान, कचड़े का निपटान, घरेलू एवं खान–पान की स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, गांव की स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, आदि शामिल है। जिसकी कार्ययोजना निर्माण के दौरान महसुस हुआ कि स्कूलों में गंदे पानी का निपटान के उदाहरण प्रस्तुत करने की जरूरत है।

समुदाय के साथ निरिक्षण में पाया गया कि प्राथमिक शाला में बच्चों के लिये मध्यान्ह भोजन तैयार किया जाता है जिसमें सब्जी–चावल की सफाई, बर्तनों की सफाई, हाथ धुलाई, आदि के लिये पानी का उपयोग किया जाता है। जिसके लिये प्रति दिन करीबन 2000 लीटर पानी बेकार हुआ करता था जिससे टयूबवेल के आस–पास पानी का भराव, बर्तन की साफ करने एवं हाथ धुलाई की जगह पर ही बहुत गंदगी तैयार होती थी। बेकार पानी के निपटान के लिये सोख्ता गड्ढ़े का निर्माण पूर्व में भी निर्माण किया गया था परन्तु व्यवस्थित जल एकत्रिकरण एवं निकासी के अभाव में गड्ढ़े तक पानी नही पहुंच पा रहा था तथा गड्ढे की स्थिति भी खराब हुई थी।

स्कूल में बच्चों के लिये हैण्डवॉसिंग की पृथक से व्यवस्था नही थी। सार्वजनिक जगह पर 02 नल की टोटियां थी जहां पर बर्तन की सफाई के साथ हाथ धुलाई के भी कार्य किये जा रहे है। स्कूल में मध्यन्ह भोजन का कूडा–करकट का निपाटन भी व्यवस्थित नही था जिसको खुले में ही फेक दिया जाता रहा था।। इस प्रकार की स्थिति सामान्यतः बहुतांश स्कूलों में पायी जाती है जिसका प्रभाव बच्चों के स्वास्थ्य पर दिखायी देता है। कांकेर जिले में स्वच्छता की सम्पूर्ण प्रक्रिया में स्कूलों को ''संदर्भ केंद्र'' के तौर पर देखा जा रहा है कि स्कूलों में जल, स्वच्छता एवं सफाई के ऐसे तरिकों एवं व्यवस्थाओं को विकसित करे जिससे बच्चें अपने घर पर वैसी ही व्यवस्था विकसित करने के लिये माता–पिताओं को कह सके या समुदाय स्वयं स्कूलों को देखकर ऐसी व्यवस्थाये तैयार करे। जिस क्रम में गंदे/बेकार पानी का प्रबंधन के लिये स्कूल में एक ऐसी **एकिकृत तरल अपशिश्ट प्रबंधन** व्यवस्था विकासित करने के लिये एसएमएसी, समुदाय एवं पंचायत प्रतिनिधियों के बीच सहमति हुई जिसके लिये निम्नानुसार गतिविधियों को चिन्हाकित किया गया।

- **बर्तन सफाई के लिये प्लेट फार्म निर्माण एवं प्रवाहित जल की सुविधा**
- **हैण्डवासिंग युनिट का निर्माण एवं प्रवाहित जल की सुविधा**
- **बर्तन सफाई एवं हैण्डवासिंग युनिट में जल निकास नाली निर्माण जिसको चेम्बर में एकत्र करना तथा तथा सोख्ता गड्ढ़ों से कनेक्ट करना।**
- **टयूबवेल रिचार्ज के लिये तकनिकी युक्त सोख्ता गड्ढ़े का निर्माण।**

उक्त कार्यो का प्राक्कलन तैयार करने हेतु जिला पंचायत कांकेर एवं जनपद पचायत, चारामा के उप अभियंताओं की टीम के द्वारा भ्रमण किया गया तथा एस. एम.एसी, समुदाय एवं पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में रूपरेखा निर्धारित की गयी। निर्धारित प्रारूप एवं प्राक्क्लन को एसएमसी के अनुमोदन से जिला पंचायत, कांकेर में वित्तीय सहयोग के लिये प्रस्तुत किया गया। प्राक्क्लन के अनुसार जिला पंचायत, कांकेर के द्वारा ग्राम पंचायत को प्रस्तुत कार्यो को संपादित करने हेतु 41000.00 रूपयों की स्वीकृति प्रदाय की गयी।

स्कूल में हैण्डवॉसिंग युनिट निर्माण के साथ ही मध्यान्ह भोजन के पूर्व हैण्डवासिंग प्रक्रियां की निगरानी भी बाल संसद द्वारा शुरू की गयी है। जिसके लिये निगरानी चार्ट बाल संसद द्वारा संधारित किया जाता है जिस अनुसार 100 प्रतिशत बच्चों में भोजन के पूर्व हाथ धुलाई सुनिश्चित होती है।

इस तरह सम्पूर्ण व्यवस्था निर्माण के बाद जल स्त्रोत, बर्तन धुलाई एवं हाथ धुलाई के पास की गंदगी दूर हुई है साथ ही स्कूल में प्रति दिवस 2000 लीटर बेकार पानी से टयूबवेल को रिचार्ज किया जा रहा है जिस कारण टयूबवेल में जल भी पर्याप्त आ रहा है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में समर्थन–सेन्टर फॉर डेवलपमेंट सपोर्ट, कांकेर द्वारा तकनिकी सहयोग किया गया है जिसको वॉटर एड़ ईडिया द्वारा वित्तीय सहयोग प्राप्त है। इस तरह के कार्य अन्य स्कूलों एवं आश्रम शालाओं में निर्माण करने हेतु जिला पंचायत कांकेर से आदेश जारी किया गया है। प्राक्कलन निर्माण की प्रक्रियां जारी है।

Samarthan
Centre for Development Support